

৭টি সতিনামু করতা পুরখু নিরভউ নিরবৈরু অকাল মূরতি অজুনী  
সৈভং গুরপ্রসাদি ॥

॥ জপু ॥

আদি সচু জুগাদি সচু ॥হৈ ভী সচু নানক হোসী ভী সচু ॥১ ॥

সোটে সোচি ন হোবঙ্গ জে সোচী লখ বার ॥চুপৈ চুপ ন হোবঙ্গ জে লাই রহা লিব তার ॥  
ভুখিআ ভুখ ন উতরী জে বংনা পুরীআ ভার ॥সহস সিআণপা লখ হোহি ত ইক ন চলৈ  
নালি ॥কিব সচিআরা হোঙ্গঐ কিব কুড়ৈ তুটে পালি ॥হুকমি রজাঙ্গ চলণা নানক লিখিআ  
নালি ॥১ ॥

হুকমী হোবনি আকার হুকমু ন কহিআ জাঙ্গ ॥হুকমী হোবনি জীঅ হুকমি মিলৈ বডিআঙ্গ ॥  
হুকমী উতমু নীচু হুকমি লিখি দুখ সুখ পাঙ্গঅহি ॥ইকনা হুকমী বখসীস ইকি হুকমী সদা  
ভবাঙ্গঅহি ॥হুকমৈ অংদরি সভু কো বাহরি হুকম ন কোই ॥নানক হুকমৈ জে বুঝৈ ত হউমৈ  
কহৈ ন কোই ॥২ ॥

গাবৈ কো তাণু হোবৈ কিসৈ তাণু ॥গাবৈ কো দাতি জাণৈ নীসাণু ॥গাবৈ কো গুণ  
বডিআঙ্গআ চার ॥গাবৈ কো বিদিআ বিখমু বীচারু ॥গাবৈ কো সাজি করে তনু খেহ ॥গাবৈ  
কো জীঅ লৈ ফিরি দেহ ॥গাবৈ কো জাণৈ দিসৈ দূরি ॥গাবৈ কো বেখে হাদরা হদূরি ॥  
কথনা কথী ন আবৈ তোটি ॥কথি কথি কথী কোটা কোটি কোটি ॥দেদা দে লৈদে থকি পাহি  
॥জুগা জুগংতরি খাহী খাহি ॥হুকমী হুকমু চলাএ রাছ ॥নানক বিগসৈ বেপরবাছ ॥৩ ॥

সাচা সাহিবু সাচু নাই ভাখিআ ভাউ অপারু ॥আখহি মংগহি দেহি দেহি দাতি করে দাতারু ॥  
ফেরি কি অগৈ রখীঐ জিতু দিসৈ দরবারু ॥মুহৌ কি বোলণু বোলীঐ জিতু সুণি ধরে

পিআৰু ॥অম্বিত বেলা সচু নাউ বডিআঙ্গ বীচাৰু ॥কৰমী আৰৈ কপড়া নদৰী মোখু দুআৰু

॥নানক এৰৈ জাণীএ সভু আপে সচিআৰু ॥৪॥

---

থাপিআ ন জাই কীতা ন হোই ॥আপে আপি নিৰংজনু সোই ॥জিনি সেবিআ তিনি পাইআ  
মানু ॥নানক গাবীএ গুণী নিধানু ॥গাবীএ সুণীএ মনি রখীএ ভাউ ॥দুখু পরহরি সুখু ঘরি  
লৈ জাই ॥গুরমুখি নাদং গুরমুখি বেদং গুরমুখি रहिआ समाङ्ग ॥गुरु ङसरु गुरु गोरखु  
वरमा गुरु पारवती माङ्ग ॥जे हउ जाणा आखा नाही कहणा कथनु न जाङ्ग ॥गुरा इक देहि  
बुवाङ्ग ॥सभना जीआ का इकु दाता सो मै विसरि न जाङ्ग ॥५॥

---

तीरथि नावा जे तिसु भावा विणु भाणे कि नाइ करी ॥जेती सिरठि उपाङ्ग बेखा विणु करमा  
कि मिलै लङ्ग ॥मति विचि रतन जवाहर माणिक जे इक गुर की सिख सुणी ॥गुरा इक देहि  
बुवाङ्ग ॥सभना जीआ का इकु दाता सो मै विसरि न जाङ्ग ॥६॥

---

जे जुग चारे आरजा होर दसुणी होई ॥नवा खंडा विचि जाणीए नालि चलै सभु कोई ॥  
चंगा नाउ रखाई कै जसु कीरति जगि लेई ॥जे तिसु नदरि न आवङ्ग त बात न पुछे के ॥  
कीटा अंदरि कीटु करि दोसी दोसु धरे ॥नानक निरगुणि गुणु करे गुणवन्तिआ गुणु दे ॥  
तेहा कोई न सुवाङ्ग जि तिसु गुणु कोई करे ॥७॥

---

सुणिए सिध पीर सुरि नाथ ॥सुणिए धरति धवल आकास ॥सुणिए दीप लोअ पाताल ॥  
सुणिए पोहि न सकै कालु ॥नानक भगता सदा विगासु ॥सुणिए दूख पाप का नासु ॥८॥

---

सुणिए ङसरु वरमा इंदु ॥सुणिए मुखि सालाहण मंदु ॥सुणिए जोग जुगति तनि भेद ॥  
सुणिए सासत सिम्विति वेद ॥नानक भगता सदा विगासु ॥सुणिए दूख पाप का नासु ॥९॥

---

सुगिऒ सतु सङ्तुखु गिऒनु ॥सुगिऒ अठसठि कऒ इसनऒनु ॥सुगिऒ पडि पडि पऒवहि मऒनु ॥  
सुगिऒ लऒगे सहजि धिऒऒनु ॥नऒनक भगतऒ सदऒ विगऒसु ॥सुगिऒ दूख पऒप कऒ नऒसु ॥१०॥

---

सुगिऒ सरऒ गुणऒ के गऒह ॥सुगिऒ सेख पीर पऒतिसऒह ॥सुगिऒ अङ्धे पऒवहि रऒह ॥सुगिऒ  
हऒथ हऒवै असगऒह ॥नऒनक भगतऒ सदऒ विगऒसु ॥सुगिऒ दूख पऒप कऒ नऒसु ॥११॥

---

मङ्ने कऒ गति कही न जऒई ॥जे कऒ कहे पिछे पछुतऒई ॥कऒगदि कलम न लिखणहरू ॥  
मङ्ने कऒ वहि करनि वीऒऒरू ॥ऒसऒ नऒमु निरङ्जनु हऒई ॥जे कऒ मङ्नि जऒगे मनि कऒई ॥

१२॥

---

मङ्ने सुरति हऒवै मनि बुधि ॥मङ्ने सगल भवण कऒ सुधि ॥मङ्ने मुहि ऒऒटऒ नऒ खऒई ॥मङ्ने  
जम कै सऒथि न जऒई ॥ऒसऒ नऒमु निरङ्जनु हऒई ॥जे कऒ मङ्नि जऒगे मनि कऒई ॥१३॥

---

मङ्ने मऒरगि ठऒक न पऒई ॥मङ्ने पति सिऒ पऒरगटु जऒई ॥मङ्ने मगु न ऒले पङ्थु ॥मङ्ने  
धरम सेती सनवङ्धु ॥ऒसऒ नऒमु निरङ्जनु हऒई ॥जे कऒ मङ्नि जऒगे मनि कऒई ॥१४॥

---

मङ्ने पऒवहि मऒखु दुऒऒरू ॥मङ्ने पऒरवऒरै सऒधऒरू ॥मङ्ने तऒरै तऒरे गुरु सिख ॥मङ्ने  
नऒनक भवहि न भिख ॥ऒसऒ नऒमु निरङ्जनु हऒई ॥जे कऒ मङ्नि जऒगे मनि कऒई ॥१५॥

---

पङ्ऒ पऒरवऒण पङ्ऒ पऒरधऒनु ॥पङ्ऒे पऒवहि दरगहि मऒनु ॥पङ्ऒे सऒहहि दरि रऒजऒनु ॥पङ्ऒऒऒ  
कऒ गुरु ंकु धिऒऒनु ॥जे कऒ कहे करै वीऒऒरू ॥करते कै करणे नऒही सुमऒरू ॥धौलु  
धरमु दईऒऒ कऒ पृतु ॥सङ्तुखु थऒपि रऒथिऒऒ जिनि सुति ॥जे कऒ वुवै हऒवै सऒऒिऒऒरू ॥  
धवलै ऒपरि केतऒ भऒरू ॥धरती हऒरू पऒरै हऒरू हऒरू ॥तिस ते भऒरू तले कवणु जऒरू  
॥जऒीऒ जऒति रङ्गऒ के नऒव ॥सभनऒ लिथिऒऒ वुडी कलऒम ॥ंह लेखऒ लिथि जऒगे कऒई ॥  
लेखऒ लिथिऒऒ केतऒ हऒई ॥केतऒ तऒणु सुऒऒलिख रूपु ॥केती दऒति जऒगे कौणु कुतु ॥

কীতা পসাউ একো কবাউ ॥তিস তে হোএ লখ দরীআউ ॥কুদরতি কবণ কহা বীচারু ॥  
বারিআ ন জাবা এক বার ॥জো তুধু ভাবে সাঈ ভলী কার ॥তু সদা সলামতি নিরংকার ॥

১৬॥

---

অসংখ জপ অসংখ ভাউ ॥অসংখ পূজা অসংখ তপ তাউ ॥অসংখ গরংখ মুখি বেদ পাঠ ॥  
অসংখ জোগ মনি রহহি উদাস ॥অসংখ ভগত গুণ গিআন বীচার ॥অসংখ সতী অসংখ  
দাতার ॥অসংখ সুর মুহ ভখ সার ॥অসংখ মোনি লিব লাই তার ॥কুদরতি কবণ কহা  
বীচারু ॥বারিআ ন জাবা এক বার ॥জো তুধু ভাবে সাঈ ভলী কার ॥তু সদা সলামতি  
নিরংকার ॥১৭॥

---

অসংখ মুরখ অংখ ঘোর ॥অসংখ চোর হরামখোর ॥অসংখ অমর করি জাহি জোর ॥  
অসংখ গলবঢ হতিআ কমাহি ॥অসংখ পাপী পাপু করি জাহি ॥অসংখ কুড়িআর কুড়ে  
ফিরাহি ॥অসংখ মলেছ মলু ভখি খাহি ॥অসংখ নিংদক সিরি করহি ভারু ॥নানকু নীচু কহৈ  
বীচারু ॥বারিআ ন জাবা এক বার ॥জো তুধু ভাবে সাঈ ভলী কার ॥তু সদা সলামতি  
নিরংকার ॥১৮॥

---

অসংখ নাব অসংখ থাব ॥অগম অগম অসংখ লোঅ ॥অসংখ কহহি সিরি ভারু হোই ॥  
অখরী নামু অখরী সালাহ ॥অখরী গিআনু গীত গুণ গাহ ॥অখরী লিখণু বোলণু বাণি ॥  
অখরা সিরি সংজোগু বখাণি ॥জিনি এহি লিখে তিসু সিরি নাহি ॥জিব ফুরমাএ তিব তিব  
পাহি ॥জেতা কীতা তেতা নাউ ॥বিণু নাবে নাহী কো থাউ ॥কুদরতি কবণ কহা বীচারু ॥  
বারিআ ন জাবা এক বার ॥জো তুধু ভাবে সাঈ ভলী কার ॥তু সদা সলামতি নিরংকার ॥

১৯॥

---

ভরীঐ হথু পৈরু তনু দেহ ॥পাণী ধোতৈ উতরসু খেহ ॥মূত পলীতী কপড়ু হোই ॥দে সাবুণু  
লঈঐ ওছ ধোই ॥ভরীঐ মতি পাপা কৈ সংগি ॥ওছ ধোপৈ নাবে কৈ রংগি ॥পুংনী পাপী

আখণু নাহি ॥করি করি করণা লিখি লৈ জাছ ॥আপে বীজি আপে হী খাছ ॥নানক হুকমী

আবছ জাছ ॥২০॥

তীরথু তপু দইআ দতু দানু ॥জে কো পাবৈ তিল কা মানু ॥সুগিআ মংনিআ মনি কীতা ভাউ  
॥অংতরগতি তীরথি মলি নাউ ॥সভি গুণ তেরে মৈ নাহী কোই ॥বিণু গুণ কীতে ভগতি ন  
হোই ॥সুঅসতি আখি বাণী বরমাউ ॥সতি সুহাণু সদা মনি চাউ ॥কবণু সু বেলা বখতু কবণু  
কবণ থিতি কবণু বারু ॥কবণি সি রুতী মাছ কবণু জিতু হোআ আকারু ॥বেল ন পাঈআ  
পংডতী জি হোবৈ লেখু পুরাণু ॥বখতু ন পাইও কাদীআ জি লিখনি লেখু কুরাণু ॥থিতি বারু  
না জোগী জাগৈ রুতি মাছ না কোঈ ॥জা করতা সিরঠী কউ সাজে আপে জাগৈ সোঈ ॥কিব  
করি আখা কিব সালাহী কিউ বরনী কিব জাণা ॥নানক আখণি সতু কো আথে ইক দু ইকু  
সিআণা ॥বডা সাহিবু বডী নাঈ কীতা জা কা হোবৈ ॥নানক জে কো আপৌ জাগৈ অগৈ  
গইআ ন সোহৈ ॥২১॥

পাতালা পাতাল লখ আগাসা আগাস ॥ওড়ক ওড়ক ভালি থকে বেদ কহনি ইক বাত ॥সহস  
অঠারহ কহনি কতেবা অসুলু ইকু ধাতু ॥লেখা হোই ত লিখীঐ লেখে হোই বিণাসু ॥নানক  
বডা আখীঐ আপে জাগৈ আপু ॥২২॥

সালাহী সালাহি এতী সুরতি ন পাঈআ ॥নদীআ অতৈ বাহ পবহি সমুংদি ন জাণীঅহি ॥  
সমুংদ সাহ সুলতান গিরহা সেতী মালু ধনু ॥কীড়ী তুলি ন হোবনী জে তিসু মনছ ন বীসরহি  
॥২৩॥

অংতু ন সিফতী কহণি ন অংতু ॥অংতু ন করণৈ দেণি ন অংতু ॥অংতু ন বেখণি সুণণি ন  
অংতু ॥অংতু ন জাপৈ কিআ মনি মংতু ॥অংতু ন জাপৈ কীতা আকারু ॥অংতু ন জাপৈ  
পারাবারু ॥অংত কারণি কেতে বিললাহি ॥তা কে অংত ন পাএ জাহি ॥এছ অংতু ন জাগৈ  
কোই ॥বহতা কহীঐ বহতা হোই ॥বডা সাহিবু উচা খাউ ॥উচে উপরি উচা নাউ ॥এবডু

উচা হোবৈ কোই ॥তিসু উচে কউ জাণৈ সোই ॥জেবডু আপি জাণৈ আপি আপি ॥নানক  
নদরী করমী দাতি ॥২৪॥

বহুতা করমু লিখিআ না জাই ॥বডা দাতা তিলু ন তমাই ॥কেতে মংগহি জোধ অপার ॥  
কেতিআ গণত নহী বীচারু ॥কেতে খপি তুটহি বেকার ॥কেতে লৈ লৈ মুকরু পাহি ॥কেতে  
মূরখ খাহী খাহি ॥কেতিআ দূখ ভূখ সদ মার ॥এহি ভি দাতি তেরী দাতার ॥বংদি খলাসী  
ভাণৈ হোই ॥হোরু আখি ন সকৈ কোই ॥জে কো খাইকু আখনি পাই ॥ওহু জাণৈ জেতীআ  
মুহি খাই ॥আপে জাণৈ আপে দেই ॥আখহি সি ভি কেঈ কেই ॥জিস নো বখসে সিফতি  
সালাহ ॥নানক পাতিসাহী পাতিসাহ ॥২৫॥

অমুল গুণ অমুল বাপার ॥অমুল বাপারীএ অমুল ভংডার ॥অমুল আবহি অমুল লৈ জাহি  
॥অমুল ভাই অমুলা সমাহি ॥অমুলু ধরমু অমুলু দীবাণু ॥অমুলু তুলু অমুলু পরবাণু ॥অমুলু  
বখসীস অমুলু নীসাণু ॥অমুলু করমু অমুলু ফুরমাণু ॥অমুলো অমুলু আখিআ ন জাই ॥  
আখি আখি রহে লিব লাই ॥আখহি বেদ পাঠ পুরাণ ॥আখহি পড়ে করহি বখিআণ ॥  
আখহি বরমে আখহি ইংদ ॥আখহি গোপী তৈ গোবিংদ ॥আখহি ঈসর আখহি সিধ ॥  
আখহি কেতে কীতে বুদ্ধ ॥আখহি দানব আখহি দেব ॥আখহি সুরি নর মুনি জন সেব ॥  
কেতে আখহি আখনি পাহি ॥কেতে কহি কহি উঠি উঠি জাহি ॥এতে কীতে হোরি করেহি ॥  
তা আখি ন সকহি কেঈ কেই ॥জেবডু ভাবে তেবডু হোই ॥নানক জাণৈ সাচা সোই ॥জে  
কো আখে বোলুবিগাডু ॥তা লিখীঐ সিরি গাবারা গাবারু ॥২৬॥

সো দরু কেহা সো ঘরু কেহা জিতু বহি সরব সমালে ॥বাজে নাদ অনেক অসংখা কেতে  
বাবণহারে ॥কেতে রাগ পরী সিউ কহীঅনি কেতে গাবণহারে ॥গাবহি তুহনো পউণু পাণী  
বৈসংতরু গাবৈ রাজা ধরমু দুআরে ॥গাবহি চিতু গুপতু লিখি জাণহি লিখি লিখি ধরমু  
বীচারে ॥গাবহি ঈসরু বরমা দেবী সোহনি সদা সবারে ॥গাবহি ইংদ ইদাসগি বৈঠে দেবতিআ  
দরি নালে ॥গাবহি সিধ সমাধী অংদরি গাবনি সাধ বিচারে ॥গাবনি জতী সতী সংতোখী

गावहि वीर करारे ॥गावनि पण्डित पडनि रखीसर जुणु जुणु वेदा नाले ॥गावहि  
मोहणीआ मनु मोहनि सुरगा मछ पइआले ॥गावनि रतन उपाए तेरे अठसठि तीरथ नाले  
॥गावहि जोध महाबल सुरा गावहि खाणी चारे ॥गावहि खंड मंडल वरभंडा करि करि रखे  
धारे ॥सेई तुधुनो गावहि जो तुधु भावनि रते तेरे भगत रसाले ॥होरि केते गावनि  
से मै चिति न आवनि नानकु किआ वीचारे ॥सोई सोई सदा सचु साहिवु साचा साठी नाई ॥है  
बी होसी जाई न जासी रचना जिनि रचाई ॥रंगी रंगी भाती करि करि जिनसी माईआ  
जिनि उपाई ॥करि करि बेथे कीता आपणा जिव तिस दी वडिआई ॥जो तिसु भावै सोई  
करसी हकमु न करणा जाई ॥सो पातिसाह सहा पातिसाहिवु नानक रहणु रजाई ॥२९॥

---

मुंगदा संतोखु सरमु पतु बोली धिआन की करहि बिभूति ॥खिंथा कालु कुआरी काईआ  
जुगति डंडा परतीति ॥आई पंथी सगल जमाती मनि जीतै जणु जीतु ॥आदेसु तिसै  
आदेसु ॥आदि अनीलु अनादि अनाहति जुणु जुणु एको बेसु ॥२८॥

---

दुगति गिआनु दईआ भंडारणि घटि घटि बाजहि नाद ॥आपि नाथु नाथी सब जा की रिधि  
सिधि अवरा साद ॥संजोणु बिजोणु दुई कार चलावहि लेखे आवहि भाग ॥आदेसु तिसै  
आदेसु ॥आदि अनीलु अनादि अनाहति जुणु जुणु एको बेसु ॥२९॥

---

एका माई जुगति बिआई तिनि चले परवाणु ॥इकु संसारी इकु भंडारी इकु लाए दीवाणु ॥  
जिव तिसु भावै तिवै चलावै जिव होवै फुरमाणु ॥ओह बेथे ओना नदरि न आवै बहता एह  
बिडाणु ॥आदेसु तिसै आदेसु ॥आदि अनीलु अनादि अनाहति जुणु जुणु एको बेसु ॥३०॥

---

आसणु लोई लोई भंडार ॥जो किछु पाईआ सु एका वार ॥करि करि बेथे सिरजणहारु ॥  
नानक सचे की साठी कार ॥आदेसु तिसै आदेसु ॥आदि अनीलु अनादि अनाहति जुणु जुणु  
एको बेसु ॥३१॥

---

ইক দু জীভৌ লখ হোহি লখ হোবহি লখ বীস ॥লখু লখু গেড়া আখীঅহি একু নামু জগদীস  
॥এতু রাহি পতি পবড়ীআ চড়ীঐ হোই ইকীস ॥সুণি গলা আকাস কী কীটা আঈ রীস ॥

নানক নদরী পাঈঐ কুড়ী কুড়ৈ ঠীস ॥৩২॥

আখণি জোরু চুপৈ নহ জোরু ॥জোরু ন মংগণি দেণি ন জোরু ॥জোরু ন জীবণি মরণি নহ  
জোরু ॥জোরু ন রাজি মালি মনি সোরু ॥জোরু ন সুরতী গিআনি বীচারি ॥জোরু ন জুগতী  
ছুটে সংসারু ॥জিসু হথি জোরু করি বেখে সোই ॥নানক উতমু নীচু ন কোই ॥৩৩॥

রাতী রুতী থিতী বার ॥পবণ পাণী অগনী পাতাল ॥তিসু বিচি ধরতী থাপি রথী ধরম সাল ॥  
তিসু বিচি জীঅ জুগতি কে রংগ ॥তিন কে নাম অনেক অনংত ॥করমী করমী হোই বীচারু  
॥সচা আপি সচা দরবারু ॥তিথে সোহনি পংচ পরবাণু ॥নদরী করমি পবৈ নীসাণু ॥কচ  
পকাঈ ওথে পাই ॥নানক গইআ জাপৈ জাই ॥৩৪॥

ধরম খংড কা এহো ধরমু ॥গিআন খংড কা আখছ করমু ॥কেতে পবণ পাণী বৈসংতর  
কেতে কান মহেস ॥কেতে বরমে ঘাড়তি ঘড়ীঅহি রূপ রংগ কে বেস ॥কেতীআ করম ভূমী  
মের কেতে কেতে ধু উপদেস ॥কেতে ইংদ চংদ সুর কেতে কেতে মংডল দেস ॥কেতে সিধ  
বুধ নাথ কেতে কেতে দেবী বেস ॥কেতে দেব দানব মুনি কেতে কেতে রতন সমুংদ ॥  
কেতীআ খাণী কেতীআ বাণী কেতে পাত নরিংদ ॥কেতীআ সুরতী সেবক কেতে নানক  
অংতু ন অংতু ॥৩৫॥

গিআন খংড মহি গিআনু পরচংডু ॥তিথে নাদ বিনোদ কোড অনংদু ॥সরম খংড কী বাণী  
রূপু ॥তিথে ঘাড়তি ঘড়ীঐ বহতু অনূপু ॥তা কীআ গলা কথীআ না জাহি ॥জে কো কহৈ  
পিছে পছুতাই ॥তিথে ঘড়ীঐ সুরতি মতি মনি বুধি ॥তিথে ঘড়ীঐ সুরা সিধা কী সুধি ॥৩৬॥

করম খংড কী বাণী জোরু ॥তিথে হোরু ন কোঙ্গ হোরু ॥তিথে জোধ মহাবল সুর ॥তিন  
মহি রামু রহিআ ভরপূর ॥তিথে সীতো সীতা মহিমা মাহি ॥তা কে রূপ ন কথনে জাহি ॥না  
ওহি মরহি ন ঠাগে জাহি ॥জিন কৈ রামু বসৈ মন মাহি ॥তিথে ভগত বসহি কে লোঅ ॥  
করহি অনংদু সচা মনি সোই ॥সচ খংডি বসৈ নিরংকারু ॥করি করি বেখে নদরি নিহাল ॥  
তিথে খংড মংডল বরভংড ॥জে কো কথে ত অংত ন অংত ॥তিথে লোঅ লোঅ আকার  
॥জিব জিব হুকমু তিবৈ তিব কার ॥বেখে বিগসৈ করি বীচারু ॥নানক কথনা করড়া সারু ॥

৩৭ ॥

জতু পাহারা ধীরজু সুনিআরু ॥অহরণি মতি বেদু হথীআরু ॥ভউ খলা অগনি তপ তাউ ॥  
ভাংডা ভাউ অমিতু তিতু ঢালি ॥ঘড়ীঐ সবদু সচী টকসাল ॥জিন কউ নদরি করমু তিন কার  
॥নানক নদরী নদরি নিহাল ॥৩৮ ॥

**সলোকু ॥**

পবণু গুরু পাণী পিতা মাতা ধরতি মহতু ॥দিবসু রাতি দুই দাঙ্গ দাইআ খেলৈ সগল  
জগতু ॥চংগিআঙ্গআ বুরিআঙ্গআ বাচৈ ধরমু হদুরি ॥করমী আপো আপণী কে  
নেড়ে কে দুরি ॥জিনী নামু ধিআইআ গএ মসকতি ঘালি ॥নানক তে মুখ উজলে  
**কেতী ছুটী নালি ॥১ ॥**

**॥ বাহিগুরু জী কা খালসা ॥ বাহিগুরু জী কী ফতেহ ॥**